

**WIND**  
**ARE YOU IN?**

**COP27** के लिए  
वैश्विक पवन ऊर्जा  
घोषणापत्र



**#WINDAREYOUIN**  
**WWW.WINDAREYOUIN.COM**



विश्व एक चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है। एक तरफ ऊर्जा सुरक्षा की समस्या ने घेर रखा है तो दूसरी तरफ बढ़ती मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान मानव जाति के लिए पर्यावरण की बढ़ती चुनौतियों एवं ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने का समय बिंदु कम होता जा रहा है। नवंबर 2022 में COP27 दुनिया भर की सरकारों के लिए जलवायु परिवर्तन पर निर्णायक कार्रवाई करने, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और अक्षय ऊर्जा पर आधारित स्वच्छ, सुरक्षित और वहनीय ऊर्जा प्रणाली के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक प्रतिबद्धता करने का अनूठा अवसर प्रस्तुत कर रहा है।

पवन उद्योग विकास के नए पैमाने हासिल करने एवं वास्तविक प्रणालीगत परिवर्तन के लिए सरकारों, व्यवसाय, समुदायों और नागरिकों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। क्या आप साथ हैं?

यूक्रेन में मौजूदा टकराव एवं मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट ने अस्थिर जीवाश्म ईंधनों पर लंबे समय से निर्भरता की कठोर वास्तविकता और लागत को उजागर कर दिया है। इस दशक में पवन और अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए कार्रवाई में तेजी लाए बिना, हम 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन (धुआँ), यानी कि नेट जीरो एमिशन, के अपने वैश्विक लक्ष्य से चूक जाएंगे - और हमारी सभ्यता सामाजिक अव्यवस्था, अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति और आर्थिक कठिनाई के संबंधी खतरों के जोखिम में आ जाएगी।

**नेट जीरो केरोडमैप और वैज्ञानिक सहमतियाँ** बिल्कुल स्पष्ट हैं: सभी आर्थिक क्षेत्रों के उत्सर्जन में अत्यधिक कमी हासिल करने और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पहुँच के भीतर रखने के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग शीघ्रता से चरणबद्ध तरीके से हटाने और अक्षय ऊर्जा को बढ़ाने - दोनों की तत्काल आवश्यकता है। IPCC ने वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 2025 से पहले चरम पर ले जाने और 2030 तक आधा करने का आह्वान किया है - और विश्वास है कि यह राजनीतिक इच्छाशक्ति और कार्यान्वयन को आगे बढ़ाकर ही संभव हो सकता है।

**उपकरण, प्रौद्योगिकी और जानकारी हमारे पक्ष में हैं।** पवन ऊर्जा उद्योग ने पिछले कई दशकों में GW-स्तरीय निर्यात पाइपलाइनों, तेजी से बढ़ते हरित औद्योगिक केंद्रों और 1.25 मिलियन से अधिक लोगों के वैश्विक कार्यबल जैसे बिंदुओं का अनुभव हासिल किया है। पिछले एक दशक में पवन ऊर्जा की लागत में अविश्वसनीय गिरावट आई है। तटवर्ती पवन (onshore wind) ऊर्जा दुनिया की दो-तिहाई आबादी को कवर करने वाले देशों में नव निर्मित बिजली उत्पादन के सबसे किफायती



रूपों में से एक है, और अपतटीय पवन (offshore wind) अब जीवाश्म ईंधन को तेजी से प्रतिस्पर्धा से बाहर कर रहा है।

पवन ऊर्जा आज हमारे पास सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी, परिपक्व और तेजी से उपयोग होने वाली ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में से एक है, तथा प्रकाश को चालू रखने, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा में सुधार लाने, ऊर्जा पर निर्भरता सुनिश्चित करने और उत्सर्जन में गिरावट के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति के लिए अधिक मात्रा में एवं सुचारू रूप से परिनियोजन सिल को बढ़ावा देना होगा। इसके साथ ही वैश्विक आपूर्ति शृंखला को अधिक मजबूती भी देना होगा। नेट जीरो का खाका पहले से ही दिखाता है कि हमारे पेरिस समझौते के लक्ष्यों (अनुलग्नक देखें) को पटरी पर लाने के लिए वार्षिक पवन संस्थापनाओं को वर्ष 2030 तक वर्तमान स्तरों से चौगुना करना होगा। वर्ष 2050 तक, पवन ऊर्जा के माध्यम से एक तिहाई से अधिक वैश्विक बिजली का उत्पादन करना होगा, जो कि वर्तमान में 6% है।

दुनिया चौराहे पर है: अगले कुछ वर्षों के निर्णय यह निर्धारित करेंगे कि क्या हम सभी के लिए जीने लायक भविष्य और न्यायसंगत और न्यायोचित ऊर्जा परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन) काल सुरक्षित कर सकते हैं। इसके लिए स्पष्ट नीति निर्धारण और वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता होगी जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि अक्षय ऊर्जा सतत तरीके से बढ़े और दुनिया भर में सभी को लाभ मिल सके।

पवन ऊर्जा का प्रकृति, पर्यावरण और व्यापक अर्थव्यवस्था के सामंजस्य में विस्तार हो, इसके लिए पवन ऊर्जा का स्थानीय समुदायों, अन्य उद्योगों एवं आर्थिक विकास की अन्य शाखाओं के साथ पवन ऊर्जा के प्रगाढ़ सहभागिता की आवश्यकता होगी। प्रणालीगत परिवर्तन केवल व्यापक विद्युतीकरण, बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता और मुश्किल से कम होने वाले क्षेत्रों को कार्बन-मुक्त करने के लिए अक्षय हाइड्रोजन जैसे हरित ईंधनों के वाणिज्यीकरण के साथ ही संभव होगा।

दुनिया भर में 80% से अधिक पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों और आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली कंपनियों और संगठनों के रूप में, हम पूरे विश्व की सरकारों से इस साल COP27 में जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा संकट को कम करने के लिए प्रभावशाली कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता करने का आह्वान कर रहे हैं। दुनिया के हर क्षेत्र में राष्ट्रीय नीति निर्माताओं को चाहिए कि:



## 1

पवन ऊर्जा के उपयोग की महत्वाकांक्षा एवं पवन ऊर्जा की राष्ट्रीय टारगेट को बढ़ाने का संकल्प लें। एवं इस संकल्प को वर्ष 2022 के अंत तक अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (NDCs), व्यापक राष्ट्रीय जलवायु और शुद्ध शून्य कार्यनीतियों तथा छोटी और लंबी अवधि की ऊर्जा योजनाओं में व्यापक रूप दे।

नेटजीरो प्रक्षेप पथ और ऊर्जा सुरक्षा अनिवार्यताओं के अनुरूप पवन ऊर्जा में छोटी और लंबी अवधिकी अधिक महत्वाकांक्षा की आवश्यकता है। जबकि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग गति से परिवर्तन होगा, वहीं ठोस अक्षय संस्थापना या उत्पादन लक्ष्यों का वर्ष 2030, 2040 और उससे आगे की विकास नीतियों में जगह होनी चाहिए। इसके बाद छोटी अवधि की स्पष्ट कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि इन महत्वाकांक्षाओं को बाजार के लिए तैयार ढांचे और कारगर निवेश अवसर में बदला जा सके। जलवायु, ऊर्जा, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, बुनियादी ढांचे और कार्यबल को नियंत्रित करने वाले सरकारी निकायों के बीच लक्ष्यों को समन्वित किया जाना चाहिए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न सरकारी संस्थाएं उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं। लक्ष्यों को राष्ट्रीय जलवायु, ऊर्जा और औद्योगिक विकास कार्यनीतियों में भी एकीकृत किया जाना चाहिए जिनमें ग्रीड-स्तरीय अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा मितव्ययिता, सतत विकास, सामाजिक आर्थिक लाभ और विकास की पर्याप्त गति के बीच संबंधों को मान्यता दी जाती है। राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय सरकारें अक्षय ऊर्जा पर आधारित Power-to-X और हरित हाइड्रोजन कार्यनीतियों की मदद से उद्योग, विमानन और शिपिंग जैसे कठिन क्षेत्र, जहाँ कार्बन इमिशन कम करना मुश्किल है, में को कार्बन-मुक्त नीतियों का पालन तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि के प्रयास को बढ़ावा दे सकती हैं।



## 2

पवन ऊर्जा के उपयोग में तेजी लाने और ऊर्जा क्षेत्र में शुद्ध शून्य-संगत परियोजना पाइपलाइन को बढ़ावा देने के लिए ग्रिड-स्तरीय अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को अनुमति देते हुए इसे तुरंत सुव्यवस्थित बनाएं।

ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन करते हुए ऊर्जा की कीमतों को कम करने, निवेश, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के अवसर को प्रोत्साहित करने और जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पवन ऊर्जा को बढ़ाना सभी के लिए लाभप्रद है। लेकिन अत्यधिक जटिल अनुमति योजनाएं विश्व-अग्रणी पवन बाजारों में उपयोग को धीमा कर रही हैं, जैसे की इटली एवं भारत में। कुछ देशों में पवन परियोजना को विकसित करने के लिए लगभग एक दशक का पूर्णता समय अपेक्षित है। यह सार्वभौमिक चुनौती है जिस पर अक्षय ऊर्जा की गति तेजी से बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। COVID-19 के अनुभव से पता चला है कि राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संचालन प्रक्रियाओं और आपूर्ति शृंखलाओं को पुनर्गठित करने के लिए आपात स्थिति में मजबूत भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचे को संयोजित किया जा सकता है। ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु संकट के बीच, इस तात्कालिकता को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं और समर्थकारी बुनियादी ढाँचे पर लागू करने की आवश्यकता है।

**S** अन्य भूमि/महासागर उपयोगकर्ताओं और स्थानीय समुदायों के साथ उद्योग के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए सहयोग करने के साथ-साथ उच्च पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों का पालन करते हुए भी सुव्यवस्थित अनुमति प्राप्त की जा सकती है। मजबूत संचालन के साथ, उच्च अक्षय ऊर्जा लक्ष्य और स्पष्ट अनुमति योजना बहुत से हितधारकों के बीच हितों का संतुलन कायम कर सकती है। अन्यो के साथ-साथ, निम्नलिखित उपायों पर विचार किया जाना चाहिए:

- अक्षय ऊर्जा संयंत्रों को अनुमति देने के लिए अधिकतम पूर्णता समय अनिवार्य किया जाना चाहिए। हाल ही में यूरोपीय संघ (EU) ऊर्जा परिषद् (EU Energy Council) ने "व्यापक सार्वजनिक हित" के अंतर्गत घरेलू अक्षय ऊर्जा में तेजी लाने के लिए 2 साल की समय-सीमा की प्रतिबद्धता तय की है;
- सीटिंग और अनुमति को सुव्यवस्थित करने के लिए डेवलपर्स के साथ काम करने के लिए केंद्रीकृत प्राधिकरण और एकल केंद्र बिंदु, जैसे "वन-स्टॉप शॉप" प्रक्रिया;



- भूमि पंजीकरण, स्थानीय अध्यादेशों और परियोजनाओं के स्थानीय विरोध के रिकॉर्ड के लिए डिजिटाइज्ड, खोजने योग्य और नवीनतम डेटाबेस, जो परियोजनाओं को अंचलों में विभाजित करने में तेजी ला सकते हैं। साथ ही में इनका अक्षय ऊर्जा के लिए डेसिगनेटेड “go-to” अंचलों से लिंकेज;
- ऊर्जा सुरक्षा और “कोई महत्वपूर्ण नुकसान न करें” सिद्धांतों का समर्थन करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए, राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित भूमि और महासागर उपयोग मार्गदर्शन;
- परियोजनाओं में अत्यधिक विलंब को रोकने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा एवं कानूनी विवादों के लिए आपातकालीन समाशोधन व्यवस्था।;
- जैव विविधता प्रभावों के प्रबंधन और प्रकृति के समुत्थान का ऐसा कार्यनीतिक दृष्टिकोण जो जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के पवन ऊर्जा के माध्यम से शमन को मान्यता देता है;
- अपतटीय पवन (जिसमें विकास के लिए लंबा समय है) के लिए अतिव्यापी अनुमति प्रक्रियाएं, जैसे पर्यावरणीय मूल्यांकन और नेटवर्क एक्सेस के लिए एक ही समय पर अनुप्रयोगों की अनुमति देना, और पर्याप्त निर्माण समय-सीमाएं सुनिश्चित करना जिससे स्वीकृत परमिटों की मियाद बहुत जल्दी समाप्त न हो; तथा
- EIA प्रक्रियाओं, ग्रिड विस्तार और साइट लाइसेंसिंग को कवर करते हुए मौजूदा तटवर्ती पवन फार्म्स, जहां टर्बाइन अपने यूजफुल लाइफ के अंत में पहुँच रहे हैं, को दोबारा ऊर्जायुक्त करने के लिए फास्ट-ट्रैक विनियामक प्रक्रिया।



# 3

स्वच्छ ऊर्जा और परस्पर क्षेत्र कार्बन-रहित करने के एकीकरण के लिए तेजी से ग्रिड बनाने की कार्य योजनाओं के लिए प्रतिबद्ध हों।

आज एक तिहाई से भी कम सरकारी और निजी ऊर्जा निवेश ग्रिड और भंडारण समाधानों को लक्षित करता है। भविष्य की ऊर्जा प्रणाली के लिए ग्रिडों की योजना बनाने, निर्माण करने और ग्रिड के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित संसाधनों में इस दशक के भीतर प्रभावशाली रूप से अवश्य बढ़ोतरी करनी चाहिए। सुरक्षित, स्मार्ट और लचीले ग्रिडों के विकास की प्रणाली पर अक्षय ऊर्जा की सदा बढ़ती हिस्सेदारियों के साथ तालमेल अवश्य बिठाना चाहिए। इसके लिए ग्रिड विस्तार और सुदृढीकरण, परिवहन और अन्य क्षेत्रों के विद्युतीकरण, बिजली निर्यात और व्यापार के लिए क्षेत्रीय बाजारों के निर्माण और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी लंबी अवधि के भावी नियोजन का संचालन करने के लिए सिस्टम ऑपरेटर्स, विनियामकों, उपयोगिताओं और उद्योग के बीच समन्वय अपेक्षित होगा।

ग्रिड नियोजन और विनियमन में अभिनव मॉडल को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इनके अंतर्गत बहु-संबद्ध पवन "केंद्र" और अपतटीय पवन "ऊर्जा द्वीप" के निर्माण एवं उनको अनेक बाजारों या मूल्य क्षेत्रों से जोड़ने की प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए। ग्रिड नियोजन और नीलामी जैसे बाजार तंत्र को भंडारण टेक्नोलॉजी की इस्तेमाल को बढ़ावा देना चाहिए। भंडारण टेक्नोलॉजी जैसे की पंप हाइड्रो, उपयोगिता-स्तरीय बैटरी और बड़ी Power-to-X सुविधाएं, ग्रिड संकुलन को कम कर सकती हैं और संतुलन में सहयोग कर सकती हैं। शोर्ट टर्म में की जा सकने वाली कार्रवाईयों में ग्रिड कनेक्शन निर्णयों के लिए लीड टाइम की समीक्षा करना और ग्रिड और लचीलेपन सेवाओं के लिए लंबी अवधि के स्थिर और निवेश-अनुकूल ढांचे की मौजूदगी को सुनिश्चित करने जैसी प्राथमिकताएँ शामिल हैं। इन प्राथमिकताओं को बल देने से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र तथा बहुपक्षीय संस्थानों से पर्याप्त और अग्रिम निवेश को संभव बनाया जा सकता है। अन्य व्यावसायिक मॉडल, जैसे अक्षय विकास के साथ अंतिम उपयोगकर्ताओं की सह-स्थिति, ग्रिड का संकुलन और भी कम कर सकते हैं।

## 4

## भविष्य के लिए ऊर्जा बाजार विकसित करें।

बहुत से देशों में, बिजली बाजार नेट जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप सार्थक और समय पर निवेश संकेत भेजने के लिए संघर्ष करते हैं। वर्तमान ऊर्जा संकट समाप्त होने के बाद अधिक उदार बाजारों में, मेरिट ऑर्डर इफेक्ट का मतलब यह होगा कि अक्षय ऊर्जा के लिए थोक बाजार राजस्वों में तेजी से गिरावट आ सकती है। इसका मुख्य कारण पवन और सौर ऊर्जा में तेजी से होने वाली बढ़ोतरी को माना जा सकता है। ऐसे हाल में अपर्याप्त उपलब्ध प्रोजेक्ट कैपेसिटी वॉल्यूम, बढ़ती ब्याज दरों और परिवर्तन से संबंधित वस्तुओं और महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती मांग में तेजी से प्राइस प्रेशर के बढ़ने की संभावना है। कुछ देशों में, नीलामी के डिजाइन ने "नकारात्मक बोली" को प्रोत्साहित किया है, जो विशेष रूप से अनुपयोगी रही है और जीवाश्म ईंधनों का स्थान लेने के लिए अक्षय आपूर्ति शृंखला की व्यवहार्यता को कमजोर करती है।

यदि हमें बदलाव करके भविष्य की ऐसी ऊर्जा प्रणाली अपनानी है जो लचीली, मांग के प्रति अनुक्रियाशील, विश्वसनीय और अक्षय ऊर्जा के अधिकांश (यदि 100% नहीं) हिस्से पर निर्भर है, तो अक्षय ऊर्जा उत्पादन और बिजली के बुनियादी ढांचे में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए ऊर्जा बाजार अवश्य विकसित किए जाने चाहिए। अधिप्राप्ति की ऐसे सरल और पारदर्शी मूल्य तंत्र के माध्यम से सहायता की जानी चाहिए जो राजस्व को स्थिर करता हो तथा खरीदारों और उत्पादकों के बीच जोखिम को साझा करता है। कुछ देशों में, इसके लिए आपूर्ति शृंखला निवेश के लिए व्यावसायिक मामले को प्रेरित कर सकने वाली बड़ी अनुबंध मात्रा के साथ स्थिर, निरंतर और नियोजित समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा नीलामी योजनाओं को संशोधित करने की आवश्यकता होगी। साथ ही में, अधिप्राप्ति को "सबसे कम लागत" के आधार से "द्रव्य-मूल्य" दृष्टिकोण में परिवर्तित करना अपेक्षित है।





# 5

## मौजूदा ऊर्जा सुरक्षा संकट में जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन के लंबी अवधि लॉक-इन से बचें।

दुनिया भर की सरकारों को अस्थिर जीवाश्म ईंधन की कीमतों और जलवायु लक्ष्यों के बीच ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों को संतुलित करने में कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ता है। लेकिन नीति निर्माताओं को अपने प्रतिक्रिया पैकेजों और कार्यनीतियों में अवश्य स्पष्ट होना चाहिए: नई ग्रीड-स्तरीय अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण की गति को मान्यता दी जानी चाहिए और जहाँ संभव हो वहाँ जीवाश्म ईंधन की तुलना में अक्षय ऊर्जा की परियोजनाओं के नए बुनियादी ढांचे में निवेश पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पवन ऊर्जा भारी क्षमता वाले कारकों पर सस्ती, मापनीय, कार्बन-रहित बिजली की पेशकश करते हुए, पहले से ही दुनिया भर के देशों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन का स्थान लेने के लिए तैयार है। मौजूदा संकट में इस रुझान में तीव्रता लाई जानी चाहिए; शोर्ट टर्म में ऊर्जा सुरक्षा चिंता को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जाना चाहिए जिससे अक्षय ऊर्जा विस्तार धीमा हो एवं लॉन्ग टर्म में स्ट्रैटेजिक संपत्ति बनाने से बचा जा सके। सरकार और वित्तीय कर्ताओं को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाते हुए कोयले को चरणबद्ध तरीके से बंद करने और अपस्ट्रीम/डाउनस्ट्रीम जीवाश्म ईंधन के लिए आर्थिक सहायता को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम रहना चाहिए। निकट भविष्य में ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के प्रयासों में तेजी लाने से भी वर्तमान ऊर्जा संकट को दूर किया जा सकता है।

## 6

## न्यायसंगत और न्यायोचित ऊर्जा संक्रमण को लागू करने के लिए समेकित और समावेशी नीतियों का विकास करें।

IRENA के अनुसार, मौजूदा नीतियों की तुलना में 1.5°C-अनुपालक ऊर्जा परिवर्तन के परिणामस्वरूप शुद्ध-सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव होते हैं जिसमें बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा उपयोग, ग्रिड वृद्धि और ऊर्जा दक्षता में निवेश के माध्यम से अधिक रोजगार सृजित होते हैं। वैश्विक उत्तर-दक्षिण सहयोग और विश्वास यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा कि ऊर्जा संक्रमण के लाभांश सभी को समान रूप से वितरित किए जाएं। पवन ऊर्जा पहले से ही दुनिया भर के समुदायों में सतत विकास को बढ़ावा देती है और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जलवायु-लचीले विकास की दिशा में वित्तीय प्रवाह को बढ़ाते हुए उचित कार्य और गुणवत्ता वाले रोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। राष्ट्रीय ऊर्जा, जलवायु, व्यापार और औद्योगिक विकास नीतियों का मजबूत समन्वय, परिवर्तन प्रगति के रूप में उचित, टिकाऊ और स्थानीय मूल्य सृजन में सहयोग कर सकता है। दोबारा कौशलयुक्त बनाने और कार्यबल परिवर्तन पर सरकारी-निजी कार्यक्रमों के माध्यम से, प्रगतिशील पवन क्षेत्र ऊर्जा परिवर्तन के माध्यम से विस्थापित श्रमिकों, जैसे जीवाश्म ईंधन और सहायक क्षेत्रों के विस्थापित श्रमिकों के लिए हरित रोजगार अवसर प्रदान करता है।





# 7

सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय वित्त नेट जीरो, 1.5 डिग्री सेल्सियस-अनुपालक मार्ग के लिए मजबूत मापदंडों और सहायक साधनों का पालन करता हो।

पवन ऊर्जा के लिए वहाँ पूंजी की कोई कमी नहीं होती है जहाँ समर्थकारी निवेश वातावरण मौजूद होता है। लेकिन अक्षय ऊर्जा को सामूहिक रूप से नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए, ऊर्जा क्षेत्र में वित्तपोषण – चाहे निर्यात वित्त का, राज्य के खजाने या निजी पूंजी से प्रवाह हो – ऐसे "कोई महत्वपूर्ण नुकसान न करें" सिद्धांतों के तहत तय किया जाना चाहिए जो सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर ध्यान दे, और स्ट्रैंडेड जीवाश्म ईंधन संपत्तियों के जोखिम से बचे। अक्षय ऊर्जा और विकास लक्ष्यों के साथ सार्वजनिक खर्च को समन्वित करने के लिए वित्तीय मंत्रालयों, विकास बैंकों और निर्यात ऋण एजेंसियों (ECAs) में जलवायु लक्ष्यों को मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए। अधिक से अधिक संगठनों को COP26 में 39 संस्थाओं द्वारा की गई प्रतिज्ञा के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए ताकि अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और सुदृढ़ जीवाश्म ऊर्जा की फेस आउट को बल मिल सके। सार्वजनिक निकायों, परोपकार निकायों एवं अन्य पक्षों के माध्यम से क्षमता निर्माण और तकनीकी सहायता के प्रावधानों में उद्योग के दृष्टिकोणों को शामिल करना चाहिए। इससे विश्वसनीय अक्षय ऊर्जा परियोजना पाइपलाइनों को बढ़ाने में अधिक प्रभावशीलता सफलता सुनिश्चित हो सकेगी।

जोखिम समाप्त करने वाली लिखतों और गारंटियों, जैसे विकास बैंकों या ECAs से लिखतों और गारंटियों के साथ उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं और सबसे कम विकसित देशों (LDCs) में परियोजना स्तर पर जलवायु वित्त का उपयोग किया जाना चाहिए। सरकारों को COVID के बाद स्वास्थ्य-लाभ संबंधी धन पवन संबंधी बुनियादी ढांचे की ओर भेजने पर भी ध्यान देना चाहिए।

# 8

**P**कार्बन मूल्य निर्धारण पर वैश्विक नियम पुस्तिका के कार्यान्वयन की प्रगति, विशेष रूप से पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6.2 और 6.4।

Eकार्बन मूल्य निर्धारणके प्रभावी औरविश्वसनीय मार्केट दृष्टिकोण, कम कार्बन प्रौद्योगिकियोंमें निवेश कोप्रेरित करने केलिए मजबूत बाजारसंकेत भेज सकतेहैं। COP26और 2022के बॉन सम्मेलनमें कार्बन क्रेडिटके अंतरराष्ट्रीय हस्तांतरण और व्यापारके लिए सततविकास तंत्र केनियमों पर प्रगतिदेखी गई, लेकिनउत्सर्जनों की आर्थिकऔर सामाजिक लागतोंको प्रभावी ढंगसे पहचानने केलिए और इन्हेंक्रियाशील करने केलिए आगे औरअधिक काम करनेकी आवश्यकता है। इनतंत्रों के लिएअच्छी पद्धतियों में स्रोतपर उत्सर्जनों के निर्धारकऔर वैश्विक कार्बनबाजार के लिएस्पष्ट माप औरसत्यापन नियम शामिलहैं।



हम, अधोहस्ताक्षरी, वर्तमान जलवायु और ऊर्जा दुविधाओं को पहचानने और अक्षय ऊर्जा में तेजी से वृद्धि करने के लिए, COP27 पर निर्णायक और सामूहिक कार्रवाई के लिए सरकारों और संबंधित निकायों का आह्वान करते हैं। अगले साल COP28 में समाप्त होने वाले ग्लोबल स्टॉकटेक से पूर्व भी यह पूर्णता से स्पष्ट है कि दुनिया भर में पवन ऊर्जा में तेजी लाने के अवसर, क्षमता और आवश्यकता मौजूद हैं। यह न केवल ऊर्जा प्रणालियों को कार्बनरहित करने, बल्कि लॉन्ग टर्म के जीवाश्म ईंधन निवेशों को लॉक किए बिना उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा पहुँच में सुधार करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

वैश्विक पवन ऊर्जा उद्योग, स्वच्छ और लचीली ऊर्जा प्रणाली में पवन ऊर्जा की केंद्रीय भूमिका को सुरक्षित करने और सभी के लिए न्यायसंगत और न्यायोचित ऊर्जा परिवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए सरकारों, सार्वजनिक संस्थानों और गैर-राज्य कर्ताओं को समान रूप से पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए तत्पर है।

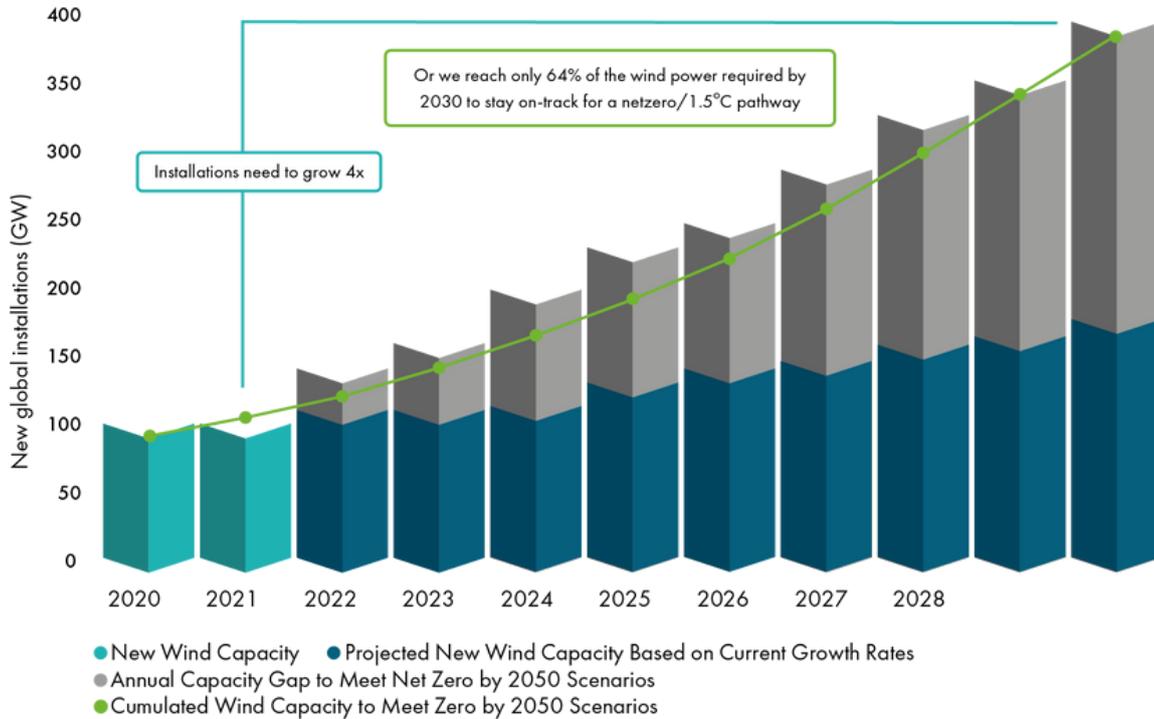
दिनांक 22 सितंबर, 2022  
हस्ताक्षरकर्ताओं की सूची:





Annex

Annual global wind installations must quadruple by 2030 to get on-track for net zero



Source: GWEC Market Intelligence; IEA Net Zero by 2050 Roadmap (2021). Projected new wind capacity from 2026-2030 assumes a ~6.6-7.0% CAGR, based on GWEC's projected CAGR from 2021-2026. It also accounts for ~34 GW in global decommissioned capacity from 2026-2030 based on 25-year turbine lifetime. Capacity gap figures are estimations based on the IEA Roadmap milestone for 2030. Cumulative global installations for wind energy are roughly in alignment with the IRENA World Energy Transitions Outlook: 1.5°C Pathway (2021). This data represents new capacity, cumulative capacity and decommissioned capacity, and does not include an estimate of repowering installations to replace the ~34 GW in decommissioned turbines globally.